मोतियाबिंद

Organization accredited by
Joint Commission International
Shroff eye®
Cataract • Retina • LASIK
Open your eyes...
...to a whole new world

आंखें हमें कुदरत से मिला सबसे कीमती उपहार है। इसकी कमी से हम उस दुनिया की सुंदरता का आनंद नहीं ले सकते, जिसमें हम रहते हैं। मोतियाबिंद या आंख में जाला होने पर भी अगर फिर से अच्छी दृष्टि मिल जाए और दिनचर्या पहले की तरह सामान्य हो जाए, तो इससे अच्छी बात क्या होगी। मोतियाबिंद को लेकर हमारे केंद्र निश्चित तौर पर कम पीड़ायुक्त और मरीजों के अनुकूल सेवा दे रहे हैं।

Anatomy of an Eye

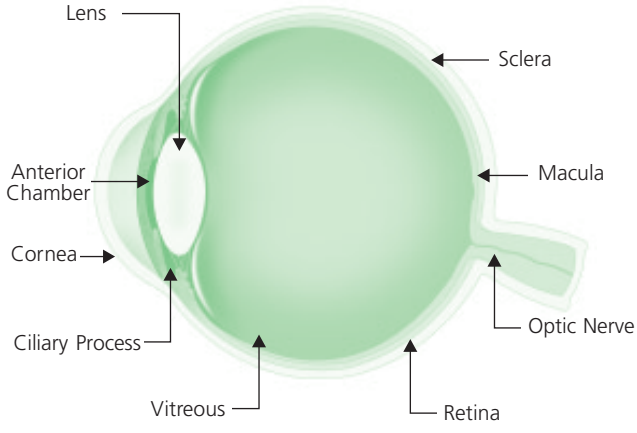

सवाल. मोतियाबिंद क्या होता है ?

जवाब. मोतियाबिंद या आंख में जाला आना दरअसल उस स्थिति को कहते हैं जिसमें आंख के प्राकृतिक लैंस धुंधला जाते हैं। आमतौर पर यह उम्र बढ़ने के साथ पैदा होनेवाली स्थिति है। उम्र बढ़ने के साथ नजर कमजोर हो जाती हैं। क्योंकि जाला या मोतियाबिंद लैंस से गुजर कर रेटिना पर केंद्रित होनेवाले प्रकाश को रोक देता है।

सवाल. मोतियाबिंद किस कारण से होता है ?

जवाब. ज्यादातर मामलों में मोतियाबिंद उम्र के बढ़ने से जुड़ा होता है। इसे बुढ़ापे के कारण होनेवाला मोतियाबिंद भी कहा जाता है। दूसरे अन्य कारणों में शामिल है -

- पारिवारिक इतिहास
- चिकित्सा संबंधी परेशानियां। जैसे डाइबिटीज यानी मधुमेह
- लंबे समय तक ली जानेवाली दवाइयां, जैसे स्टरॉइड्स
- आंख में चोट लगना
- जन्मजात
- पहले किया हुआ ऑपरेशन
- लंबे समय तक असुरक्षित तरीके से सूर्य के प्रकाश में रहना

सवाल. मोतियाबिंद के लक्षण क्या है ?

जवाब. मोतियाबिंद के सामान्य लक्षण -

- बिना दर्द के नजर का धुंधलाना
- चमक या प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशीलता
- चश्मे के नंबरों का लगातार बदलना
- कमजोर दृष्टि
- पढ़ने के लिए तेज रोशनी की जरूरत पड़ना
- एक आंख से चीजों का डबल दिखना
- रंगों का फीका नजर आना

सामान्य दृष्टि

मोतियाबिंद के बाद आया धुंधलापन

आम गलतफहमियों का निवारण

- मोतियाबिंद आंख की सतह पर आनेवाला झीना आवरण नहीं है
- यह आंखों के ज्यादा उपयोग से नहीं होता
- यह संक्रामक (एक से दूसरी आंख में फैलना) नहीं है और नही यह कैंसर है
- यह अंधेपन में बदलने का कारण भी नहीं है

सवाल. मोतियाबिंद का पता कैसे लगाया जा सकता है ?

जवाब. नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा आंख का संपूर्ण परीक्षण कर मोतियाबिंद की उपस्थिति का पता लगाया जा सकता है। दूसरी स्थितियों, जब देखने के लिए ज्यादा जोर देना पड़े, से भी इसकी पहचान की जा सकती है। खासतौर पर कॉरन्या, रेटिना या आंख की नसों से जुड़ी समस्याएं के जरिये।

सवाल. मोतियाबिंद कितनी तेजी से विकसित होता है ?

जवाब. अलग-अलग लोगों में मोतियाबिंद अलग-अलग तरह से बढ़ता है। यहां तक कि यह दोनों आंखों में अलग-अलग तरह से विकसित हो सकता है। मोतियाबिंद से जुड़े अधिकांश मामलों में यह उम्र बढ़ने के साथ विकसित होता है। युवा और मधुमेह के रोगियों में यह बहुत तेजी से विकसित होता है।

सवाल. मोतियाबिंद का उपचार क्या है ?

जवाब. मोतियाबिंद को हटाने के लिए ऑपरेशन ही एकमात्र उपाय है। आहार, दवाइयां, व्यायाम या चश्मे आदि से मोतियाबिंद को खत्म नहीं किया जा सकता।

सवाल. ऑपरेशन कब करवाना चाहिए ?

जवाब. जब सुरक्षित ड्राइविंग, घरेलू गतिविधियों तथा रोज के कामकाज के साथ-साथ देखने में परेशानी आने लगे तब ऑपरेशन के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। परिक्षणों से प्राप्त नतीजों को जानने के बाद नेत्र रोग विशेषज्ञ और रोगी मिलकर तय करें कि ऑपरेशन करना कब उचित होगा। इस धारणा का कोई आधार नहीं है कि मोतियाबिंद को हटाने से पहले जरूरी है कि वह पक जाए। इसके विपरीत तथ्य यह है कि मोतियाबिंद के ऑपरेशन के दौरान पके हुए मोतियाबिंद के बजाय कच्चे या अपरिपक्व मोतियाबिंद को हटाना आसान होता है।

सवाल. मोतियाबिंद ऑपरेशन से क्या अपेक्षा की जानी चाहिए ?

जवाब. मोतियाबिंद का ऑपरेशन लोकल या टॉपिकल एनस्थीशिया (चेतनाशून्य करने की औषधि) देने के बाद सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा किया जाता है।
Phacoemulsification, जो छोटा-सा चीरा लगाने की तकनीक है, के जरिये धुंधलाए लैंसों को हटाया जाता है। इसमें सलाई से मोतियाबिंद को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर बाहर निकाला जाता है। अगर फोल्ड हो सकनेवाले लैंस बिठाना हो तो चीरे का आकार छोटा (२.८-३) मिमी.) होता है। इसकी तुलना में फोल्ड नहीं हो सकनेवाले लैंसों के लिए यह चीरा लगभग ५मिमी. का होता है। दोनों ही चीरे अपने आप बंद हो जानेवाले होते हैं और टांकों की जरुरत नही पड़ती। किस तरह के लैंस आपके लिए उचित होंगे यह तय करने में हम आपकी मदद करते हैं।

सवाल. मोतियाबिंद के लिए कम दर्दवाली Phacoemulsification Surgery के क्या फायदे होते हैं ?

जवाब. इसका घाव छोटा (नतीजा जल्दी सुधार और पहले की दशा में आता है) होता है, इसमें कम समय लगता है और किसी तरह के टांकों की जरूरत नही पड़ती। ऑपरेशन के दौरान कम-से-कम और ऑपरेशन के बाद किसी तरह की परेशानी नहीं होती। लिहाजा शीघ्रता से आपकी दिनचर्या सामान्य हो जाती है।

मोतियाबिंद का ऑपरेशन आजकल विशेष तरीके से किया जाता है जिससे दूर की नजर और पास की नजर की कमजोरी के अलावा पढ़ने के लिए चश्मे पर निर्भरता लगभग खत्म हो जाती है।

आप 'श्रॉफ आई' में नौ आसान कदमों के जरिये मोतियाबिंद के ऑपरेशन की योजना बना सकते है

S आपके मन में जो सवाल है वह हमें ईमेल कीजिए।
H ईमेल या फोन पर विचार-विमर्श करने के लिए समय लीजिए।
R मिलने का समय लेने के बाद चेक अप और जरूरी टेस्ट करवाइए।
O जांच, लैबोरेटरी में टेस्ट और चेक अप के बाद मोतियाबिंद की प्रक्रिया को सुनियोजित कर सूचीबद्ध कीजिए ।
F ऑपरेशन की तारीख तय कीजिए ।
F जांच के लिए अगले दिन डॉक्टर से मिलिए ।
E निर्देशों के मुताबिक आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल कीजिए ।
Y डॉक्टर के द्वारा आपकी अगली जांच के अलावा नेत्र विशेषज्ञ से चश्मे के लिए अंतिम जांच करवाइए।
E आंखों की रोशनी का आनंद उठाइए। आंखें खोलो और नई दुनिया के नजारे देखो।

यह सूचना -पत्रिका रोगियों के लिए सामान्य जानकारी हेतु है।

"मोतियाबिंद के बारे में तथ्य"
Shroff Eye Opener® # 14
मोतियाबिंद का इलाज तब करें
जब वह आपकी ज़िन्दगी की गुणवत्ता में बाधा डालें ।

श्रॉफ आई हॉस्पिटल भारत का पहला ऐसा अस्पताल है जिसे जॉइंट कमीशन इंटरनेशनल (JCI), अमेरिका द्वारा रोगियों की श्रेष्ठ देखरेख और स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए मान्यता मिली है ।

Shroff Eye Clinic
Gobind Mahal, 86-B Netaji Subhash Road
Marine Drive, Mumbai 400 002. India
Tel: (+91-22) 22814077 / 22029242
Fax: (+91-22) 2281 2751

Shroff Eye Hospital • Vision Research Centre
222 S. V. Road, old Bandra Talkies
Bandra (West), Mumbai 400 050. India
Tel: (+91-22) 6692 1000 / 26431006
Fax: (+91-22) 6694 9880

E-mail: info@shroffeye.org
www.shroffeye.org
www.lasikindia.in
www.pathologylabindia.com
Eye Helpline: +91 98211 63901
Lab Tests Helpline: +91 98211 41024